2023 TPJ | VOLUME 1, ISSUE 2
April - June | ISSN – 2584- 0517

शिक्षक में व्यवसायिक विकास की आवश्यकता

डॉ मृदुला कुमारी भगत
असिस्टेंट प्रोफेसर
ग्रिजली कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन

सारांश:

शिक्षकों के लिए व्यवसायिक विकास का तात्पर्य एक शिक्षक के औपचारिक रूप से चल रहे कैरियर विकास से है। शिक्षकों के लिए व्यवसायिक विकास का छात्र परिणाम से अटूट संबंध शिक्षक शिक्षा से संबंधित हर कार्य को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चुकि देश के युवा पीढ़ी एक राष्ट्र का भविष्य और कक्षा में एक राष्ट्र की नियति का निर्माण किया जा रहा है और यह भाग्य निर्माता शिक्षक है। इसलिए छात्रों को मूल्यवान शिक्षा प्रदान कराने का शिक्षक का दायित्व है इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए शिक्षक के लिए उचित व्यवसायिक विकास की आवश्यकता है।

मुख्य शब्द: *व्यवसायिक, शिक्षक, शिक्षा।*

परिचय: विश्व में व्यावसायिक परिवर्तन निरंतर होने के कारण प्रति स्पर्धा भी निरंतर बढ़ रही है। इसलिए करियर की प्रगति की तुलना में व्यवसायिक विकास अधिक महत्वपूर्ण है। व्यवसायिकता का तात्पर्य काम के प्रति आपका दृष्टिकोण, समर्पण, और ईमानदारी इत्यादि के बारे में और व्यावसायिक विकास किसी के अपने कार्य व्यवसाय में वृद्धि और विकास के लिए है। आमतौर पर कौशल युक्त शिक्षा अनुभव ज्ञान प्राप्त करने के लिए संदर्भित करता है जो व्यावसायिक रूप से प्रगति में मदद कर सकता है।

इसके लिए बहुत सारे शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम सरकार द्वारा तैयार किए गए हैं। भारत में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो भागों में वर्गीकृत किया जाता है अर्थात सेवाकालीन और सेवा पूर्व में फ्री सर्विस कार्यक्रम वह वह है जो किसी भी सेवा के लिए अनिवार्य नौकरी प्राप्त करने के लिए न्यूनतम मापदंडों

2023 TPJ | VOLUME 1, ISSUE 2
April - June | ISSN – 2584- 0517

को पूरा करता है। लेकिन शिक्षकों के व्यवसायिक विकास के लिए सेवाकालीन शिक्षक कार्यक्रमों पर विचार किया जाता है यह ऐसे कार्यक्रम है जिनमें एक सेवारत शिक्षक अपने व्यावसायिक कौशल ज्ञान और दक्षताओं को उन्नत करने के लिए भाग ले सकता है।

व्यवसायिक विकास की आवश्यकता---

शिक्षकों में व्यवसायिक विकास की आवश्यकता ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्तियों की दक्षता होनी चाहिए। व्यावसायिक लक्षण युक्त व्यक्ति आवश्यक वृद्धि करके जीवन में व्यावसायिक दक्षता प्राप्त करेगा। इस प्रकार अध्यापक के विकास और वृद्धि की पूर्णता जीवन का संदर्भ विकसित करेगा।

कौशल का विकास--वर्तमान परिवेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी का है। शिक्षक और सीखने में दिन प्रतिदिन नए कौशल विकसित किऐ जा रहे हैं। शिक्षक में विभिन्न कौशल विकास के लिए भिन्न-भिन्न व्यवसायिक विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता होनी चाहिए। यह कार्यक्रम उन्हें अपने समय की बेहतर योजना बनाने और व्यवस्थित करने में मदद कर सकते हैं। व्यवसायिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से एक शिक्षक कठिन कौशल और सॉफ्ट कौशल दोनों बढ़ा सकता है। कठिन कौशल संस्था से संबंधित है अर्थात यह शिक्षण रणनीतियों, शिक्षण विधि, दृष्टिकोण, अध्यापन आदि से संबंधित है, जबकि सॉफ्ट कौशल व्यक्तिगत विकास से संबंधित है जैसे संचार, कौशल अन्य सहयोगियों और छात्रों के साथ व्यवहार करना आदि।

- **निर्देशों में नवीनता---**व्यवसायिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षण निर्देश के नए विचारों की खोज कर सीख सकते हैं और उन्हें बेहतर परिणाम के लिए अपने कक्ष में लागू कर सकते हैं। यह कार्यक्रम एक शिक्षक को छात्रों के लिए प्रासंगिक और सार्थक निर्देश बनाने के लिए स्वयं को सशक्त बनाने में मदद करते हैं। जो उनके शिक्षक को प्रभावी बनाता है।
- **शैक्षिक शोध एवं नए ज्ञान का अनुकूलन--**शिक्षा परिदृश्य निरंतर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है जिस सामाजिक परिवर्तन, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रभावों जैसी गतिशील ताकतों ने आकर दिया है। इसलिए शिक्षकों को भी नई तकनीकी के साथ होना चाहिए। हर दिन नया शोध नई जानकारी हमारे ज्ञान के लिए नई विधियां और रणनीति को उठा रही है शिक्षक का कर्तव्य है वह ज्ञान को समझकर अपने छात्रों के सामने प्रस्तुत करें और यह केवल तभी संभव होगा जब शिक्षक स्वयं को तैयार करेगा।

2023 TPJ | VOLUME 1, ISSUE 2
April - June | ISSN – 2584- 0517

- **विभिन्न शिक्षण शैलियों और रणनीतियों को चुनना---** नई रणनीतियों और शिक्षण शैली की प्रक्रिया के दृष्टिकोण के कार्यबित के लिए वर्तमान शिक्षा की आवश्यकता है इसलिए नई शिक्षा तकनीक विधि दृष्टिकोण और रणनीतियों के बारे में जानने के लिए शिक्षक को अवसर प्रदान करना संस्थान की जिम्मेदारी है।
- **नई-नई तकनीक का प्रयोग--**शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में नई तकनीक का उपयोग करना समय का अपरिहार्यता है हमने देखा कोविड के लॉकडाउन में शिक्षण के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म को मजबूती से स्थापित किया गया था। ज़ूम, गूगल, और यूट्यूब आदि। विभिन्न ऑनलाइन एप्लीकेशन का उपयोग छात्रों से जुड़ने और उन्हें शिक्षा प्रदान करने के लिए किया जाता था जो कि केवल तकनीकी कौशल से ही संभव था। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रदान करना तकनीकी द्वारा ही संभव था।
- **शिक्षण सहायक सामग्री को विकसित करना--**शिक्षक अक्सर शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न शिक्षण सामग्री का उपयोग करते हैं और विभिन्न शोधों ने यह साबित भी किया है की नई शिक्षण अधिगम सामग्री के उपयोग से शिक्षा की समग्र प्रणाली में विकास किया जा सकता है। इस प्रकार एक शिक्षक को विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों के माध्यम से शिक्षण अधिगम की सामग्री ने नए नवाचारों के बारे में ज्ञान होना चाहिए।
- **भविष्य उन्नयनकरण--**एक शिक्षक को अपने करियर की प्रगति के लिए और अधिक अवसर प्राप्त करने में मदद कर सकता है। नए कौशल लगातार पारंपरिक शिक्षक की तुलना में एक शिक्षक के बीच एक बेहतर क्षमता विकसित करते हैं। इसलिए यह कार्यक्रम शिक्षक के लिए उपलब्धियां के नए द्वार खोलते हैं
- **आंतरिक शक्ति बढ़ता है--**एक शिक्षक व्यवसायिक विकास से आत्मविश्वास, आंतरिक शक्ति को मजबूत कर सकता है शिक्षकों में निरंतर व्यवसायिक विकास आत्मविश्वास को बढ़ाता है। व्यवसाय में चुनौतियों का सामना अच्छी तरह कर सकता है।
- **संस्थान में चुनौतियों का निर्माण--** एक शिक्षक शिक्षण संस्थान में तकनीक में नवाचार करके और शिक्षक अवधारणाओं में नई तकनीक को एकीकृत करके चुनौतियों का

2023 TPJ | VOLUME 1, ISSUE 2
April - June | ISSN – 2584- 0517

निर्माण कर सकता है। इन चुनौतियों के माध्यम से वे अपने छात्रों की क्षमताओं के बारे में जानकर उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित कर सकता है।

- **व्यवसायिक विकास के लिए विभिन्न प्रारूप--**आजीवन सीखने के लिए समर्पित शिक्षकों के लिए व्यवसायिक विकास के अनेक रास्ते हैं हर एक के अद्वितीय फायदे हैं यहां इन प्रारूपण का गहन अनुसंधान किया गया है—
- **सेमिनार एवं सम्मेलन--**सेमिनार और सम्मेलन व्यवसायिक विकास के लिए अच्छे स्रोत हैं। जहां शिक्षकों को अक्सर व्यावहारिक अनुभव, भूमिका निभाना, समूह चर्चा और विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। सेमिनार और सम्मेलन व्यवसायिक विकास के लिए अच्छे स्रोत है। संस्थान में राज्यस्तर, राष्ट्रीय स्तर या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जा सकता है।
- **कार्यशालाएं--**कार्यशालाएं व्यवसायिक विकास के लिए अच्छे स्रोत हैं। यह शिक्षक के उद्देश्य और सीखने के परिणाम के साथ आयोजित की जाती है लेकिन कार्यशालाओं में सेमिनार में होने वाले विचार -विमर्श को कुछ ठोस आयाम दिया जाता है और प्रतिभागियों के समूहों के बीच काम सौंप कर विचारों का आदान-प्रदान होता है। यह सब गोष्ठियों की तुलना में अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण है।
- **ऑनलाइन पाठ्यक्रम और वेबीनार--** वर्तमान समय डिजिटल युग है ऑनलाइन पाठ्यक्रम अत्यधिक लचीलापन प्रदान करते हैं, जिससे शिक्षकों को अपने व्यस्त कार्यक्रम में सीखने का समय मिल जाता है भारत सरकार काSWAYAM प्लेटफॉर्म शिक्षकों के लिए तैयार किए गए हैं और कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अलावा एनपीटीईएल(नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांस्ड लर्निंग) जैसे प्लेटफार्म मुख्य रूप से उच्च शिक्षा क्षेत्र के लोगों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।
- **स्कूल स्तर पर कार्यक्रम--**शिक्षकों के व्यवसायिक विकास के लिए स्कूल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। शिक्षकों को शैक्षिक मेला, प्रदर्शनी, विस्तार व्याख्यान आदि में भी भाग लेना चाहिए।
- **कॉलेज प्रशिक्षण कार्यक्रम--**विभिन्न सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को राज्य और केंद्र शिक्षा संस्थानों जैसे संस्थाओं को एनसीईआरटी, इत्यादि और अन्य द्वारा शिक्षा से संबंधित विभिन्न कौशल के अधिग्रहण के

2023 TPJ | VOLUME 1, ISSUE 2
April - June | ISSN – 2584- 0517

लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए व्यवस्थित किया जाता है। शिक्षक इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे संस्थान प्रयोग, प्रशिक्षण, प्रयोगशालाओं की व्यवस्था क्लब और पुस्तकालय शिक्षण सहायक सामग्री इत्यादि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकते हैं।

- **मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उच्च अध्ययन--**अध्ययन के क्षेत्र में उच्च अध्ययन भी व्यावसायिक विकास में संभव है जैसे स्नातक डिग्रीधारी मास्टर की डिग्री ले सकते हैं और मास्टर डिग्री वाले अनुसंधान कर सकते हैं।
- **व्यावसायिक पत्रिका, किताब लेखन--** एक शिक्षक व्यावसायिक पत्रिका, किताब विशेषज्ञों के लिए खुद के साथ खुद को समृद्ध कर सकते हैं और वह अपने संचार कौशल में सुधार कर सकते हैं।

- **क्रिया अनुसंधान--**क्रिया अनुसंधान के द्वारा शिक्षक शिक्षक संबंधी समस्याओं को हल कर सकते हैं साथ ही कक्षा में शिक्षण रणनीतियां, शिक्षण विधियां और शिक्षण सामग्री में नए नवाचारों को समझने और क्रियान्वित करने का प्रयास कर सकते हैं।
- **अभिविन्यास और रिफ्रेशर पाठ्यक्रम-** -विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर सेवारत शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार के लिए अस्तित्व में जब से आया है प्रत्येक प्राध्यापक के लिए प्रत्येक 3 से 5 वर्षों में कम से कम एक बार अभिविन्यास/रिफ्रेशर कोर्स में भाग लेना जरूरी है।
- **व्यवसायिक विकास का महत्व--** व्यवसायिक विकास एक शिक्षक के विकास पद की आधारशिला है। यह न केवल पुनश्रेया के रूप में कार्यकर्ता है, बल्कि शिक्षकों के लिए आधतन, नवीन और प्रभावी बने रहने का एक अवसर भी है। सीखने के प्रति समर्पण केवल व्यक्तिगत विकास की खोज ही नहीं बल्कि यह शिक्षक की कला को निखारने की प्रतिबद्धता है। सीखने के प्रति समर्पण केवल व्यक्तिगत विकास की खोज ही नहीं बल्कि यह शिक्षक की कला को निखारने की प्रतिबद्धता है। शिक्षक खुद का विकास करके शैक्षिक पद्धतियों में विकसित हो रहे परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित है शैक्षिक पद्धतियां, पाठ्यक्रम, दिशा निर्देश और मानक

2023 TPJ | VOLUME 1, ISSUE 2
April - June | ISSN – 2584- 0517

वक्त के साथ-साथ प्रतिदिन परिवर्तन हो रहे हैं, जिसमें शिक्षकों के लिए क्षेत्र के रुझानों और सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ बने रहना चुनौती पूर्ण हो गया है। व्यवसायिक विकास शिक्षकों को आज के छात्रों के लिए प्रासंगिक और अनुरूप पाठ्यक्रम निर्देश बनाने में सक्षम बनाकर बेहतर और अधिक उपयुक्त शिक्षणों में बदल देता है। अमेरिकी शिक्षा विभाग ने इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन साइंसेज के शोध ने निष्कर्ष निकला है कि अच्छी तरह से डिजाइन किए गए व्यवसायिक विकास कार्यक्रमों में शिक्षकों की भागीदारी के परिणाम स्वरुप छात्र उपलब्धि में 21% अंकों तक सुधार हो सकता है।

गुणवत्तापूर्ण व्यवसायिक विकास शिक्षकों के लिए कुछ ध्यान देने योग्य युक्तियां--

स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित करना है--स्पष्ट उद्देश्य के साथ व्यवसायिक विकास अवसर का इस्तेमाल कर कौशल को आगे बढ़ाएं।

- **फीडबैक ले--** शिक्षक सुधार के क्षेत्रों को पहचान के लिए अपने सीनियर्स को शामिल करें।
- **बुद्धिमानी से चुने**--यह सुनिश्चित करने के लिए अपना शोधकर कि आप प्रतिष्ठित और लाभकारी अवसरों में विषय और संसाधनों का निवेश कर रहे हैं।
- **खुले विचारों वाले बने**-- कुछ हासिल करने के लिए आराम क्षेत्र से बाहर रहना पड़ता है।

निष्कर्ष-- एक शिक्षक की यात्रा निरंतर सीखने की होती है। शिक्षक स्वयं विकास को प्राथमिकता देकर वह न केवल अपने करियर को बढ़ाते हैं, बल्कि छात्रों का मार्गदर्शन करके उनके जीवन को भी समृद्ध बनाते हैं। व्यक्तिगत और व्यावसायिक उन्नति के प्रति इस समर्पण के माध्यम से शिक्षक शैक्षिक परिदृश्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। अतः शिक्षण का संस्था के साथ-साथ पूरे देश के विकास के लिए व्यवसायिक विकास की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रंथ:

- बिकॉज़ और ट्रेसका (2014) शिक्षक की गुणवत्ता बढ़ाने में शिक्षक पेशेवर विकास का प्रभाव अतः विषय अध्ययन की अकादमी पत्रिका3 (6)369-377.
- एसके मंगल(2012), टंडन पब्लिकेशन।
- https://little voice little lives.com.
- smekens Education https://www.smekenseducation.com
- open l Academic. journals Index https://oaji net articles.
- https://online.queens.edu/resources/article/professional - development-for-educations/